vinetur

15% छोटी फसल के बावजूद न्यूजीलैंड के वाइन निर्यात $2.108 अरब तक पहुंचे।

जून तक के वर्ष में उद्योग की बिक्री 8% बढ़ी, जो क्षेत्र के लिए जून में अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा कुल रहा।

गुरुवार, 24 सितंबर 2026



न्यूजीलैंड वाइनग्रोअर्स द्वारा बुधवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 को समाप्त वर्ष में न्यूजीलैंड के वाइन निर्यात बढ़े, जबकि देश की हालिया फसल पिछले साल के स्तर से काफी नीचे रही।

उद्योग निकाय ने कहा कि जून तक के 12 महीनों में निर्यात राजस्व $2.108 अरब तक पहुंच गया, जबकि निर्यात मात्रा बढ़कर 306.2 मिलियन लीटर हो गई। उसके अनुसार, यह निर्यात-प्रेरित कुल बिक्री में 8% की वृद्धि के बराबर था और क्षेत्र के लिए रिकॉर्ड पर जून-समाप्त वर्ष का दूसरा सबसे ऊंचा कुल रहा।

रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर के कई वाइन उत्पादकों के लिए मांग कमजोर है और भंडार पर दबाव कई प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में, न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स ने कहा कि देश का वाइन उद्योग

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि दर्ज करना जारी रखे हुए है, जिसे उसके प्रीमियम उत्पादों की मांग और Sauvignon Blanc श्रेणी में उसकी स्थिति का समर्थन मिला है।

साथ ही, समूह ने कहा कि पूरे क्षेत्र के व्यवसाय मौजूदा बाजार परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल रहे हैं। उसने बताया कि 2026 की विंटेज से लगभग 440,000 मीट्रिक टन की फसल हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15% कम है। रिपोर्ट के अनुसार, छोटी फसल का उद्देश्य 2025 की बड़ी फसल के बाद उत्पादन को बाजार मांग के अधिक करीब संतुलन में लाना था।

मज़बूत निर्यात और छोटी फसल का यह संयोजन पेय क्षेत्र में, खास तौर पर उन आयातकों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के बीच, ध्यान आकर्षित करेगा जो वैश्विक वाइन बाजारों में आपूर्ति स्तर पर नजर रख रहे हैं। छोटी फसल से अतिरिक्त भंडार का दबाव कम हो सकता है, और यदि मांग बनी रहती है, तो आने वाले महीनों में यह कुछ निर्यात चैनलों में मूल्य निर्धारण और उत्पाद उपलब्धता को प्रभावित कर सकता है।

वार्षिक रिपोर्ट के साथ पोस्ट की गई रिलीज़ में न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स ने बाजार-दर-बाजार विवरण नहीं दिया, लेकिन उसने कहा कि न्यूज़ीलैंड की वाइन प्रमुख बाजारों में व्यापक वाइन श्रेणी से बेहतर प्रदर्शन करती रही। समूह ने इसे ऐसे वर्ष में लचीलेपन का संकेत बताया जिसे उसने वैश्विक और घरेलू, दोनों स्तर पर चुनौतीपूर्ण बताया।

निर्यात आंकड़े न्यूज़ीलैंड के वाइन उद्योग के लिए विदेशी मांग के महत्व को रेखांकित करते हैं। वाइन देश के प्रमुख मूल्य-वर्धित कृषि निर्यातों में से एक है, और अंतरराष्ट्रीय बिक्री लंबे समय से अंगूरबाग रोपण निर्णयों, उत्पादन योजना और बढ़ते क्षेत्रों में निवेश के केंद्र में रही है। जब निर्यात मूल्य बढ़ते हैं और फसल मात्रा घटती है, तो यह आगे चलकर आपूर्ति की स्थिति के और तंग होने का संकेत दे सकता है, भले ही उसका पूरा असर तुरंत महसूस न हो।

उत्पादन का यह आंकड़ा यह भी दर्शाता है कि उद्योग पिछले सीजन के बाद बिना बिके स्टॉक के जमाव से बचने की कोशिश कर रहा है। उत्पादकों के लिए, इससे मार्जिन की रक्षा करने और भंडारण दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। विदेशी बाजारों में खरीदारों के लिए, इसका मतलब शिपमेंट शेडचूल की करीबी निगरानी और यदि भंडार कड़ा होने लगे तो छूट देने की कम गुंजाइश हो सकता है।

न्यूज़ीलैंड वाइनग्रोअर्स ने कहा कि निकट अवधि में व्यापक वाइन व्यापार पर दबाव के बावजूद नवीनतम नतीजे उद्योग के दीर्घकालिक दृष्टिकोण में भरोसे को समर्थन देते हैं। संगठन ने इस दृष्टिकोण को देश की विशिष्ट वाइनों और टिकाऊ उत्पादन की प्रतिष्ठा से जोड़ा, जो उसके अंतरराष्ट्रीय विपणन के केंद्र में बने हुए विषय हैं।

वार्षिक रिपोर्ट 23 सितंबर को New Zealand Wine वेबसाइट पर पोस्ट की गई थी।